26. पत्र लेखन

भारतीय संस्कृति में पत्रों का चलन प्राचीन काल से होता आया है। समय के साथ-साथ इसके साधन एवं माध्यम बदलते चले गए। आज के इलैक्ट्रॉनिक युग में ई-मेल द्वारा संदेश मिनटों में एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँच जाते हैं। परंतु इसके बावजूद भी पत्र लेखन की परंपरा आज भी किसी-न-किसी रूप में चलती जा रही है। पत्र लिखना आज भी एक रोचक विधा के रूप में विद्यमान है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से पत्रों की उपयोगिता के बारे में उनके विचार जानें।
- ❖ पत्र की विशेषताओं से अवगत कराएँ।
- ❖ पत्र लिखते समय ध्यान रखने योग्य विशेष बातें बताएँ।
- ❖ पूछें, क्या आपने कभी कोई पत्र लिखा है आदि। आपके घर में कभी कोई पत्र आता है आदि।
- ❖ पत्रों के प्रकार बताएँ।
- ❖ बताएँ, औपचारिक पत्र यानी विद्यालय या कार्यालय को लिखे जाने वाले पत्र तथा अनौपचारिक पत्र यानी अपने मित्रों, परिवारजनों को लिखे जाने वाले पत्र।
- ❖ दोनों पत्रों के प्रारूप पर चर्चा करते हुए इसके बारे में विस्तार से समझाएँ।
- ❖ दोनों प्रकार के पत्र छात्रों से ही पढ़वाएँ।
- ❖ अभ्यास करवाने में आवश्यक सहायता करें।